सूक्ष्म वित्त संस्थान (MFI)

//

सूक्ष्म वित्त संस्थान (MFI)

परिचय:

- वित्तीय सेवाएँ और छोटे मूल्य के ऋण प्रदान करता है
- लक्ष्य – ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में न्यूनतम आय वाले परिवार, छोटे व्यवसाय और उद्यमी
- अधिकतम वार्षिक आय मानदंड – 3 लाख रुपए (संपार्श्विक-छोटे लोन हेतु)

सूक्ष्म वित्त संस्थान क्षेत्र का विकास

- प्रारंभिक काल (वर्ष 1974-1984):
  - महिलाओं के लिये श्री महिला सेवा सहकारी बैंक की स्थापना
  - नाबार्ड ने SHG संपर्क को बढ़ावा दिया
- परिवर्तन अवधि (वर्ष 2002-2006):
  - स्वयं सहायता समूहों के लिये असुरक्षित ऋण मानदंडों को सुरक्षित ऋणों के साथ संरेखित किया गया
  - RBI ने सूक्ष्म वित्त को प्राथमिक क्षेत्र में शामिल किया
- विकास और संकट (वर्ष 2007-2010):
  - निजी इक्विटी निवेश→ सूक्ष्म वित्त संस्थानों का तीव्र विकास
  - माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क (MFIN) का गठन
- समेकन और परिपक्वता (वर्ष 2012-2015):
  - मालेगाम समिति (वर्ष 2012) ने विनियामक परिवर्तनों की सिफारिश की
  - NBFC की नवीन श्रेणी - गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी-सूक्ष्म वित्त संस्थान (NBFC-MFI)
  - बंधन बैंक (सबसे बड़ा माइक्रोलेंडर) को RBI द्वारा यूनिवर्सल बैंकिंग लाइसेंस (वर्ष 2014)
  - मुद्रा बैंक का शुभारंभ (वर्ष 2015)

भारत में MFI को RBI द्वारा NBFC-MFI फ्रेमवर्क 2014 के माध्यम से विनियमित किया जाता है।

बिज़नेस मॉडल

- स्वयं सहायता समूह (SHG):
  - अनौपचारिक समूह (10-20 सदस्य) मिलकर बचत करते हैं और ऋण प्राप्त करते हैं
  - SHG-बैंक लिंकेज कार्यक्रम के माध्यम से बैंकों से जोड़ा गया
- सूक्ष्म वित्त संस्थान (MFI):
  - माइक्रो-क्रेडिट और वित्तीय सेवाएँ प्रदान करना
  - 4-10 सदस्यों वाले संयुक्त ऋण समूहों (JLG) के माध्यम से ऋण

MFI के प्रकार

- NGO-MFI (सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1860 या भारतीय ट्रस्ट अधिनियम 1880 के तहत)
- सहकारी समितियाँ
- धारा-8 के अधीन कंपनियाँ (कंपनी अधिनियम, 2013 के अंतर्गत)
- NBFC-MFIs (सूक्ष्म वित्त बाज़ार का 80% हिस्सा)

लाभ

- डिजिटलीकरण और वित्तीय समावेशन
- आत्मनिर्भरता (उद्यमिता और बेहतर आजीविका)
- स्थिर आय (संपत्ति निर्माण)
- महिला उद्यमिता

MFI की चुनौतियाँ	आगे की राह
उच्च ब्याज दरें	विनियामक निरीक्षण में सुधार करना और ब्याज दर सीमा को बढ़ाना।
ऋण कर्त्ताओं का अति-ऋणग्रस्त होना	ऋण जोखिम मूल्यांकन को सुदृढ़ करना और वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देना।
बाह्य वित्तपोषण पर निर्भरता	साझेदारी और पूंजी बाज़ार के माध्यम से वित्तपोषण स्रोतों में विविधता लाना।
ऋणकर्त्ताओं में वित्तीय साक्षरता न्यून होना	वित्तीय शिक्षा कार्यक्रमों/अभियानों को बढ़ावा देना

दृष्टि The Vision

और पढ़ें: सूक्ष्म वित्त क्षेत्र

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/microfinance-institutions-2